# जॉर्ज
# ड्रम बजाने वाला लड़का

नाथनियल बेंचली

चित्र: डॉन बोलोग्नीज़

# जॉर्ज
# ड्रम बजाने वाला लड़का
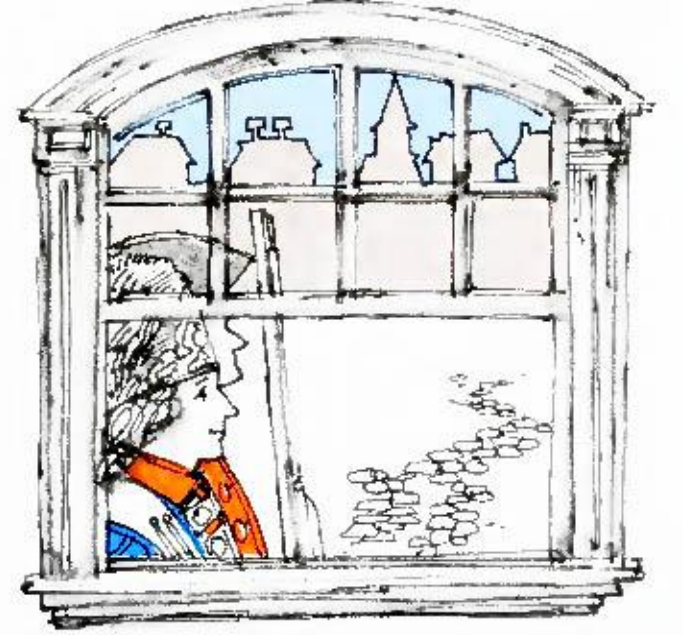
नाथनियल बेंचली

चित्र: डॉन बोलोग्नीज़

राजा के सैनिकों के साथ जॉर्ज नाम का एक ड्रमर लड़का भी था.

वे बोस्टन में तैनात थे.

दो सौ साल पहले,

बोस्टन, इंग्लैंड के कब्ज़े में था.

बोस्टन के लोगों को नए टैक्स पसंद नहीं आए

और उन्होंने राजा को टैक्स नहीं दिए.

चूँकि वे अपना गुस्सा राजा को,

नहीं दिखा सकते थे इसलिए

लोगों ने राजा के सैनिकों पर अपना गुस्सा उतारा.
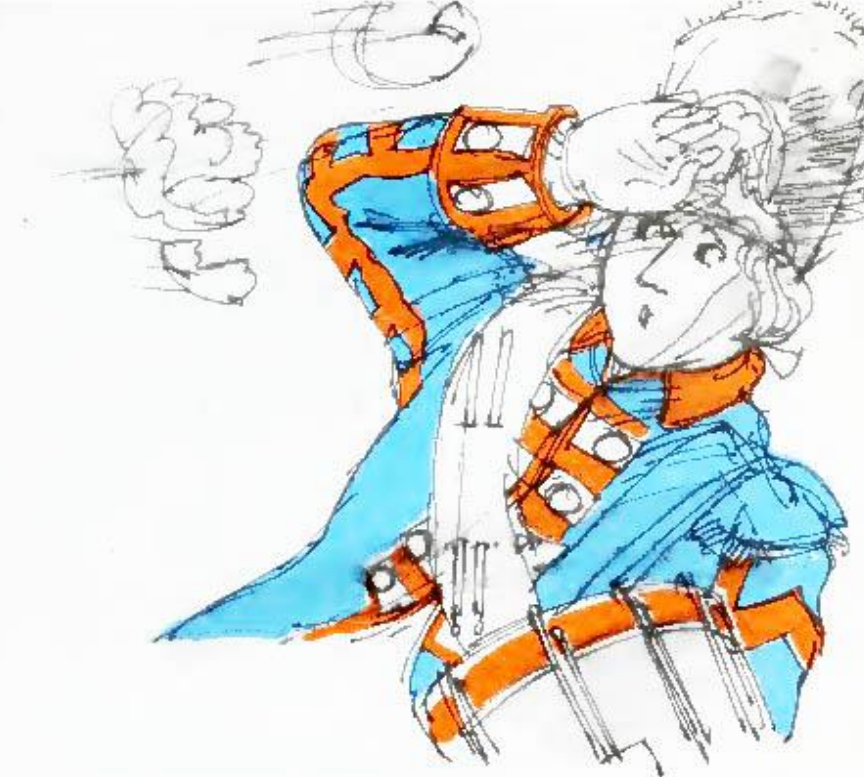
जॉर्ज लोगों के साथ

दोस्ती बनाना चाहता था.

लेकिन दोस्त बनाना कठिन था.

लोग, सैनिकों पर केवल चिल्लाते थे

और उनपर चीजें फेंकते थे.

फिर कमांडर, जनरल गेज ने

वहां सेना भेजने का निर्णय लिया

वे उन सभी तोपों और बारूद को

ज़प्त करना चाहते थे.

उन्होंने अपनी योजनाएँ गुप्त रूप से बनाईं,

ताकि किसी को उनका पता न चले.

एक जासूस ने ब्रिटिश कमांडर को बताया,

"लोग कॉनकॉर्ड में

तोपें और बारूद छिपा रहे हैं."

कॉनकॉर्ड, बोस्टन से लगभग बीस मील दूर

स्थित एक शहर था.

पहले,

उन्होंने सैनिकों की दो कंपनियाँ चुनीं,

और कहा कि वे विशेष प्रशिक्षण लेने जा रही थीं.

इनमें से एक जॉर्ज की कंपनी थी.

जब जॉर्ज ने यह खबर सुनी,

तो वो अपने दोस्त फ्रेड से मिलने गया.
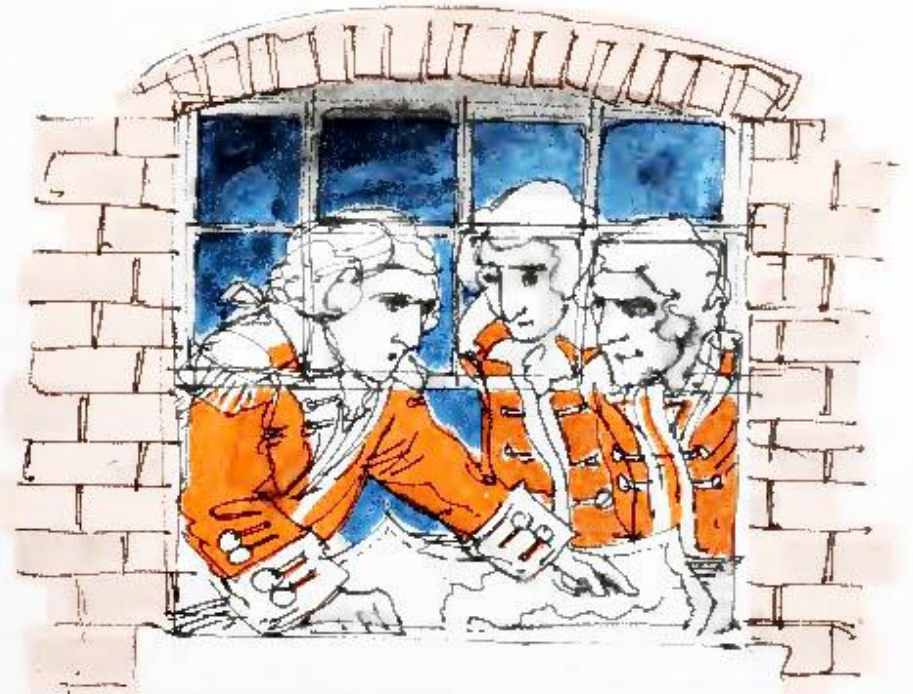
"इसका क्या मतलब है?" जॉर्ज ने पूछा.

"कुछ पता नहीं," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"चलो, किसी और से उसके बारे में पूछें?" जॉर्ज ने कहा.

"सेना में लोग सवाल नहीं पूछते," फ्रेड ने कहा.

"लोग सिर्फ वो करते हैं जो उनसे कहा जाता है."

इसके बाद, जनरल गेज ने अपने आदमियों से
बजरे और लंबी नावों को ठीक करवाया.

"शायद इसका मतलब हो कि हम समुद्र में जाएं,"
जॉर्ज ने कहा.

"मुझे इसकी आशा कम है," फ्रेड ने कहा.
"शायद वे हमें घर ले जायें."

तीन रात बाद,

सैनिकों के बिस्तर में सोने के तुरंत बाद,

जगाया गया और उनसे कपड़े पहनने को
कहा गया.

"यह किस प्रकार का प्रशिक्षण है?"
जॉर्ज ने पूछा.

"क्या वे चाहते हैं कि हम उल्लू बनें?"

"मत पूछो," फ्रेड ने कहा.

"बस कपड़े पहनो."

चाँद चमकीला था.

वे नौकाओं को देख सकते थे

जो उन्हें पानी के पार ले जातीं.

जॉर्ज के पास उसका ड्रम था,

लेकिन चूँकि उससे चुप रहने को कहा गया था,

इसलिए जॉर्ज ने ड्रम नहीं बजाया.

आगे क्या होगा यह देखने के लिए

उसने बस इंतजार किया.

फिर वे सटकर

नावों और बजरों में,

लाइन से बैठे और

चार्ल्स नदी के पार

चार्ल्सटाउन पहुंचे.

यह शुरुआती वसंत था,

और पूरब से ठंडी हवा चल रही थी.

जॉर्ज, खुद को गर्म रखने के लिए

फ्रेड के करीब बैठा.

चार्ल्सटाउन में, वे तट पर उतरे

घुटनों तक पानी में होकर चले
और फिर उन्होंने प्रतीक्षा की.

वे ठंड में कांपते हुए खड़े रहकर दो
घंटे तक इंतजार करते रहे.

उनके पीछे, बोस्टन में,

जॉर्ज को ओल्ड नॉर्थ चर्च के शिखर पर

दो रोशनियाँ दिखाई दीं.

"मुझे आश्चर्य है कि उनका क्या मतलब है,"
जॉर्ज ने कहा.

फ्रेड ने कहा, "संभवतः वे कोई संकेत हों."

"किसके लिए?" जॉर्ज ने पूछा.

फ्रेड ने कहा, "वो जनरल ने मुझे नहीं बताया."

जॉर्ज ठंड के कारण हंस नहीं पाया.
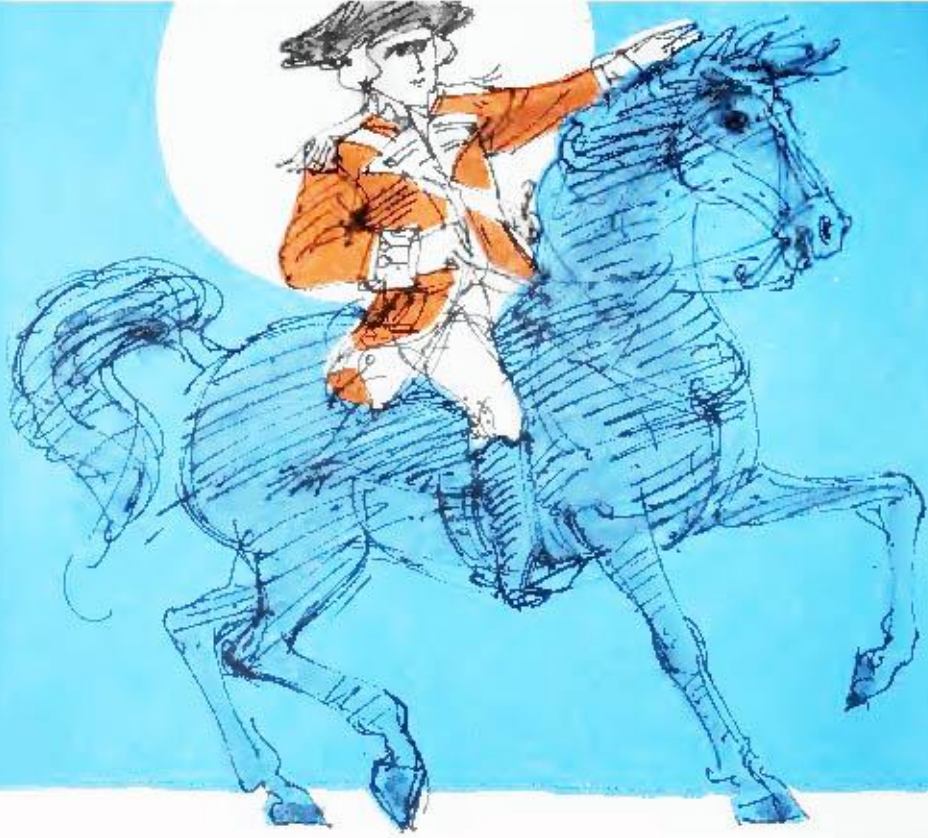
जॉर्ज को छींक आ गई.

“चुप!" फ्रेड ने कहा.

"तुम उससे पूरे ग्रामीण इलाके को जगा दोगे."

थोड़ी देर बाद उन्हें दूरी में

तोप चलने की आवाज़ सुनाई दी.

अंत में उन्होंने मार्च करना शुरू किया.

मेजर पिटकेर्न, जॉर्ज की कंपनी के प्रभारी थे.

मेजर ने अपनी टुकड़ी से कहा

कि उन्हें कॉनकॉर्ड जाना होगा,

वहां पर छुपी हुई बंदूकों और बारूद
की तलाश करने.

दूर स्थित चर्च की घंटियाँ बज रही थीं.

अँधेरे में दौड़ते हुए आदमियों की धुँधली आकृतियाँ उनके पास से गुज़र रही थीं.

उन्होंने घोड़ों की टापें भी सुनीं.

जॉर्ज ने कहा, "मुझे लगता है कि उन्हें पता है कि हम आ रहे हैं."

"मैंने तुमसे कहा था कि इतनी ज़ोर से मत छींको," फ्रेड ने कहा.

"बड़ा मज़ाक है," जॉर्ज ने कहा. "मुझे तो डर लग रहा है."

"वे रोशनियाँ जो हमने देखीं थीं," जॉर्ज ने कहा.

"वो इस बात का संकेत होंगी कि हम अपने रास्ते पर हैं."

"वो सही है," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"आज का दिन बड़ा लंबा साबित हो सकता है."

धीरे-धीरे दिन निकलने लगा.

पेड़ों पर पक्षी चहचहाने लगे.

जब पर्याप्त प्रकाश हो गया

तब जॉर्ज सड़क के किनारे सेब

के पेड़ों पर लगे फूल देख पाया.

अब वो लेक्सिंगटन शहर भी देख

सकता था,

वहाँ लोग अपने खेतों की ओर

तेजी से बढ़ रहे थे.
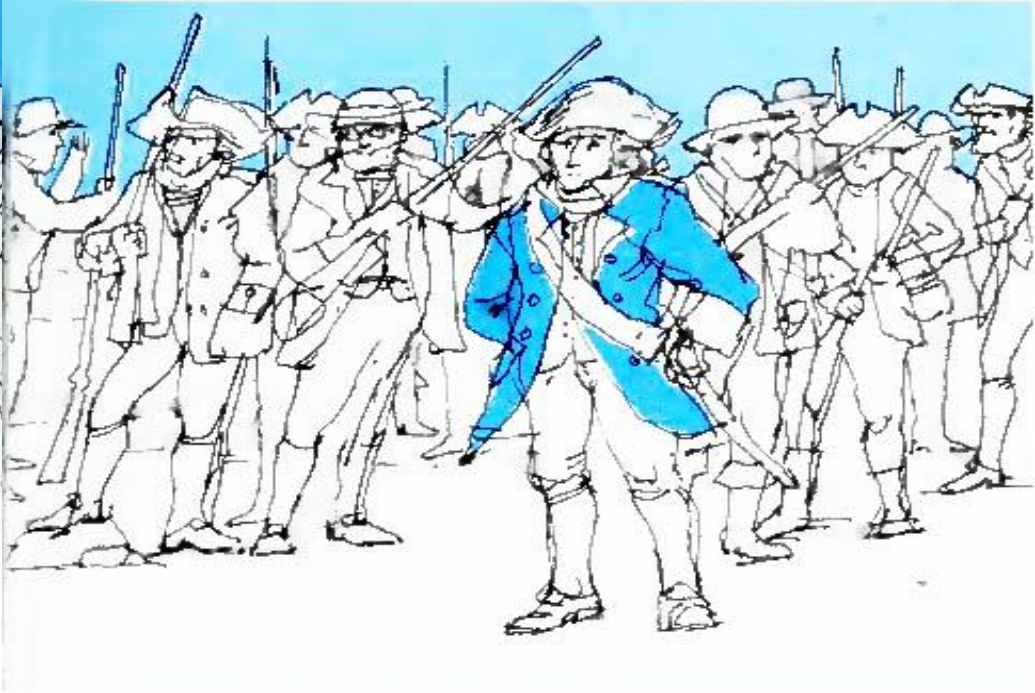
ग्रीन पर

अस्सी मिनट-सैनिक थे.

उन्हें "मिनिटमैन" कहा जाता था

क्योंकि उन्हें एक मिनट के नोटिस पर

लड़ने के लिए तैयार होना पड़ता था.

उनके पास बंदूकें थीं.

जॉर्ज के पास केवल उसका ड्रम था.

वो आशा कर रहा था कि लड़ाई नहीं होगी.

जब मिनट-सैनिकों ने देखा

कि वहां इतने सैनिक थे, तो वे हटने लगे.

मेजर पिटकेर्न ने अपने सैनिकों से गोली नहीं चलाने को कहा.

उन्होंने अपने लोगों को तितर-बितर होने का आदेश दिया,

फिर वो अपने सैनिकों को करीब लाए.

तभी कहीं से किसी ने गोली चला दी.

लेकिन किसी को चोट नहीं आई,

लेकिन इससे सैनिकों ने गोलीबारी शुरू कर दी.

उन्होंने तीन राउंड गोलियां चलाईं,

फिर अपनी कतारों को तोड़कर वे मिनट-सैनिकों पर दौड़ पड़े.

मेजर पिटकेर्न ने

अपने सैनिकों को वापस व्यवस्थित किया.

फिर उन्होंने सैनिकों से कॉनकॉर्ड की ओर

मार्च करने को कहा.

उसमें आठ मिनट-सैनिक मारे गए.

यह इतनी तेजी से हुआ

कि जॉर्ज को डरने का

समय ही नहीं मिला.

कॉनकॉर्ड में

और भी अधिक मिनट-सैनिक थे,

जो पुल के पार एक पहाड़ी पर इंतज़ार कर रहे थे.

वहां लेक्सिंगटन से कहीं अधिक मिनट-सैनिक थे,

और हर मिनट और अधिक सैनिक आ रहे थे.

जॉर्ज को आश्चर्य होने लगा कि
वो वहाँ क्या कर रहा था.

"काश मैं बोस्टन में वापस होता,"
उसने फ्रेड से कहा.

"मैं भी," फ्रेड ने कहा.

"मुझे यह जगह ज़रा भी पसंद नहीं है."

कॉनकॉर्ड से सभी बंदूकें और पाउडर हटाकर
और कहीं और छिपा दिया गया था.

जॉर्ज ने कुछ सैनिकों को आग लगाते हुए देखा.

"वे ऐसा किस लिए कर रहे हैं?" उसने पूछा.

"उन्हें कुछ तो करना होगा," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"वे यहाँ बिना किसी काम के तो नहीं आए होंगे."

जॉर्ज ने कहा, "यह मुझे बहुत मूर्खतापूर्ण लगता है."

मिनट-सैनिकों ने धुआं देखा और सोचा

कि शायद शहर जलाया जा रहा था.

फिर उन्होंने पहाड़ी से नीचे सैनिकों पर धावा बोल दिया,

और सैनिक मुड़कर भाग गये.

"मुझे पता था कि वो एक बुरा विचार था,"

जॉर्ज ने दौड़ते हुए कहा.

"देखो, उन्होंने क्या शुरू किया."

अब मिनट-सैनिक चारों ओर थे.

उन्होंने बाड़ और पत्थर की दीवारों के
पीछे से फायरिंग शुरू कर दी,

और भागते हुए सिपाहियों को पकड़ लिया.

जॉर्ज को ऐसा लगा

उसने जहां भी देखा,

वहां कोई मिनट-सैनिक

उस पर बंदूक ताने खड़ा था.

फ्रेड चिल्लाया, और उसने अपनी बंदूक गिरा दी.

एक गोली उसकी बांह में आकर लगी.

"तुम ठीक तो हो?" जॉर्ज ने उससे पूछा.

"मुझसे प्रश्न बाद में पूछना," फ्रेड ने उत्तर दिया.

"यह बात करने का समय नहीं है."

जॉर्ज ने बंदूक उठाई और वो दौड़ता रहा.

लेक्सिंगटन में,

वे और अधिक ब्रिटिश सैनिकों से मिले,

जो बोस्टन से उनकी मदद करने आए थे.
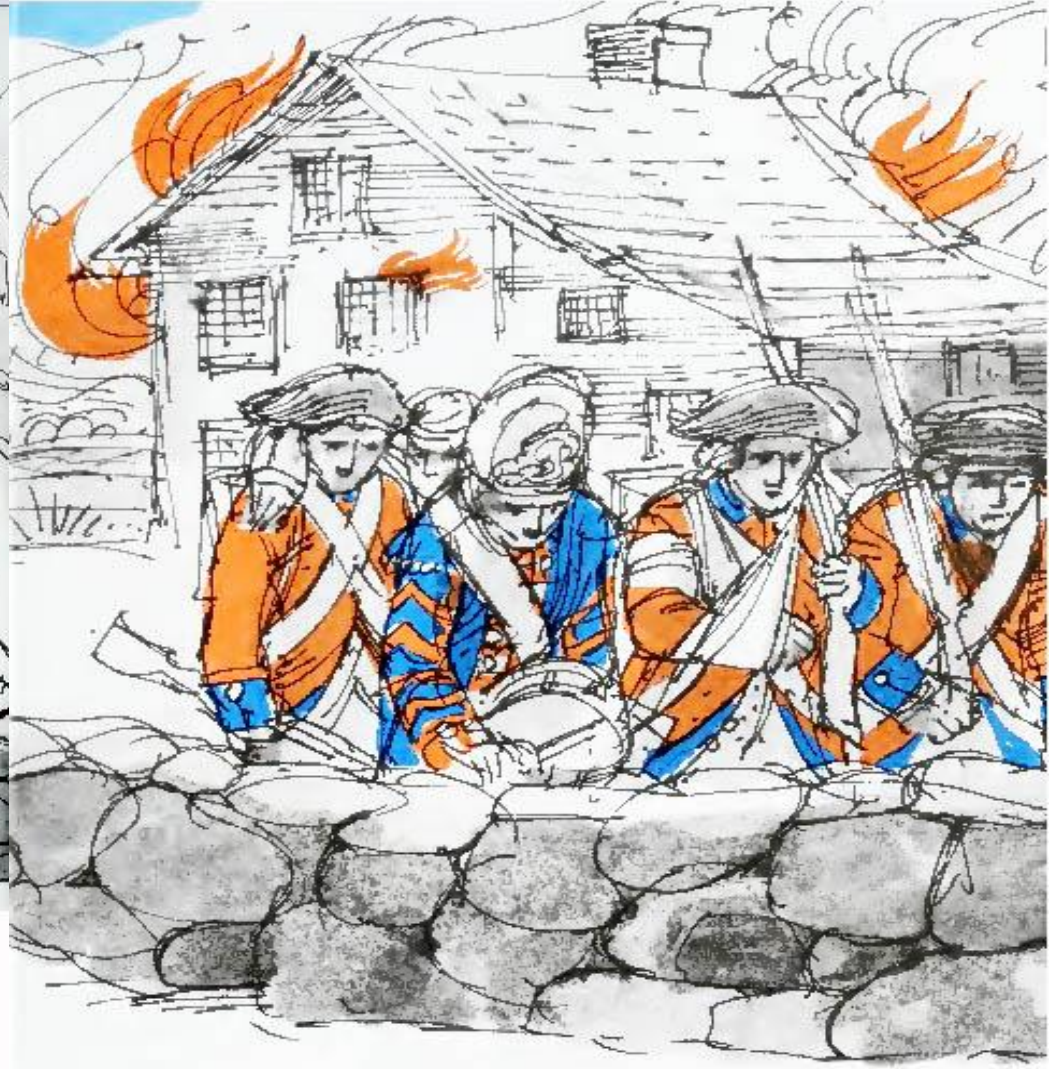
इन सैनिकों के पास दो तोपें थीं,

जिन्होंने तब तक मिनट-सैनिकों को दूर रखा

जब तक बाकी लोग भाग नहीं गए.

उस समय अंधेरा हो चुका था और बारिश हो रही थी

वे कब चार्ल्सटाउन वापस पहुंचे.

यह बात किसी को नहीं पता थी

या फिर किसी को उसकी परवाह नहीं थी.

वो क्रांति की शुरुआत थी.

जब वो क्रांति ख़त्म होगी,

तब अमेरिका का खुद का

अपना एक देश होगा.

जॉर्ज और सभी अन्य लोग यही चाहते थे

कि वे सुरक्षित बोस्टन वापस पहुंचें.

जैसा कि फ्रेड ने कहा था

वो उनके लिए एक लम्बा और व्यस्त दिन था.

**टिप्पणी:**

जिस प्रकार युद्ध के लिए दो पक्षों की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार प्रत्येक युद्ध के लिए दो कहानियाँ भी होनी चाहिए. कभी-कभी वे एक-जैसी होती हैं. कभी वे बिल्कुल भिन्न होती हैं. यह एक अनुमान है कि लेक्सिंगटन और कॉनकॉर्ड में लड़ाई से पहले और उसके दौरान ब्रिटिश सैनिकों ने कैसा महसूस किया होगा. और यह अनुमान बिल्कुल ग़लत भी नहीं होगा.

-एन. बी.